BYJU'S EXAM PREP

Weekly Current Affair

साप्ताहिक करेंट अफेयर्स

(01-07 May 2022)

Table of Contents

International Relations.....

National.....

State.....

Economy.....

Defence.....

Science & Technology.....

Environment .....

Sports.....

Awards And Honours.....

Appointment/ Resignation.....

Books .....

Important Days.....

International Relations

2020 की तुलना में 2021 में 40 मिलियन अधिक लोगों ने खाद्य असुरक्षा का अनुभव किया: रिपोर्ट

चर्चा में क्यों?

- **ग्लोबल नेटवर्क अगेंस्ट फ़ूड क्राइसिस (GNAFC)** की रिपोर्ट के अनुसार, 2020 की तुलना में 2021 में वैश्विक स्तर पर लगभग 40 मिलियन अधिक लोगों ने संकट या बदतर स्तर पर तीव्र खाद्य असुरक्षा का अनुभव किया।
- **GNAFC** संयुक्त राष्ट्र, यूरोपीय संघ, सरकारी और गैर-सरकारी एजेंसियों का एक अंतरराष्ट्रीय गठबंधन है जो एक साथ खाद्य संकट से निपटने के लिए काम कर रहा है।

प्रमुख बिंदु

- इनमें से इथियोपिया, दक्षिणी मेडागास्कर, दक्षिण सूडान और यमन में आधे मिलियन से अधिक लोगों (570,000) को तीव्र खाद्य असुरक्षा के सबसे गंभीर चरण में वर्गीकृत किया गया।
- दस्तावेज़ ने दिखाया कि 53 देशों या क्षेत्रों में लगभग 193 मिलियन लोगों ने 2021 में संकट या बदतर स्तर पर तीव्र खाद्य असुरक्षा का अनुभव किया।

रिपोर्ट के अनुसार खाद्य असुरक्षा के लिए तीन मुख्य चालक थे:

- पहला संघर्ष था। रिपोर्ट 24 फरवरी, 2022 को यूक्रेन पर रूसी आक्रमण से पहले लिखी गई थी। लेकिन यह पाया गया कि संघर्ष ने 24 देशों / क्षेत्रों में 139 मिलियन लोगों को तीव्र खाद्य असुरक्षा में मजबूर कर दिया। यह 2020 में 23 देशों / क्षेत्रों में 99 मिलियन से अधिक है।
- एक अन्य कारण मौसम की चरम सीमा थी, जिसने 2020 में 15 देशों / क्षेत्रों में 15.7 मिलियन से बढ़कर, आठ देशों / क्षेत्रों में 23 मिलियन से अधिक लोगों को तीव्र खाद्य असुरक्षा में मजबूर कर दिया।

- तीसरा कारण आर्थिक झटके थे। 2021 में आर्थिक झटके के कारण 21 देशों / क्षेत्रों में 30 मिलियन से अधिक लोगों को तीव्र खाद्य असुरक्षा का सामना करना पड़ा, जो 2020 में 17 देशों / क्षेत्रों में 40 मिलियन से अधिक लोगों से कम है।

स्रोत: DTE

RSF 2022 विश्व प्रेस स्वतंत्रता सूचकांक में भारत 8 पायदान गिरकर 150वें स्थान पर आ गया है

चर्चा में क्यों?

- **रिपोर्टर्स विदाउट बॉर्डर्स (RSF)** द्वारा जारी रिपोर्ट के अनुसार, **2022 विश्व प्रेस स्वतंत्रता सूचकांक** (20वें संस्करण) में भारत की रैंकिंग पिछले साल के 180 देशों में से 142वें स्थान से गिरकर 150वें स्थान पर आ गई है।

प्रमुख बिंदु

- नेपाल को छोड़कर, भारत के पड़ोसी देशों की रैंकिंग में भी गिरावट आई है, जिसमें पाकिस्तान को 157वें, श्रीलंका को 146वें, बांग्लादेश को 162वें और म्यांमार को 176वें स्थान पर रखा गया है।
- नेपाल वैश्विक रैंकिंग में 30 अंकों की बढ़त के साथ 76वें स्थान पर पहुंच गया है।
- इस साल **नॉर्वे (प्रथम),** डेनमार्क (दूसरा), स्वीडन (तीसरा), एस्टोनिया (चौथा) और फिनलैंड (पांचवां) ने शीर्ष स्थान हासिल किया, जबकि उत्तर कोरिया सूची में सबसे नीचे रहा।
- वैश्विक परिदृश्य के बारे में, RSF ने कहा कि 20वें विश्व प्रेस स्वतंत्रता सूचकांक से पता चलता है कि "ध्रुवीकरण" में दो गुना वृद्धि हुई है, जो सूचना अराजकता से बढ़ी है, यानी मीडिया ध्रुवीकरण देशों के भीतर विभाजन को बढ़ावा देता है, साथ ही अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देशों के बीच ध्रुवीकरण भी।

स्रोत: HT

NASA SOFIA टेलीस्कोप बंद करेगा जिसने चंद्रमा पर पानी का पता लगाया

चर्चा में क्यों?

- युनाइटेड स्टेट्स **नेशनल एरोनॉटिक्स एंड स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन (NASA)** ने दुनिया के सबसे बड़े उड़ने

वाले टेलीस्कोप **"स्ट्रैटोस्फेरिक ऑब्जर्वेटरी फॉर इन्फ्रारेड एस्ट्रोनॉमी (SOFIA)"** को बंद करने का फैसला किया है, जिसने चंद्रमा पर पानी की उपस्थिति की पुष्टि की है।

प्रमुख बिंदु

- SOFIA एक 2.7-मीटर इन्फ्रारेड टेलीस्कोप है जो बोइंग 747SP हवाई जहाज के अंदर स्थित है, जो सतह से 38,000-45,000 फीट की ऊँचाई पर उड़ता है।
- SOFIA NASA और जर्मन स्पेस एजेंसी (DLR) के बीच एक सहयोग है।
- 2014 में अपनी स्थापना के बाद से, SOFIA स्टार जन्म और मृत्यु और नए सौर प्रणालियों के गठन को समझने के लिए डेटा एकत्र कर रहा है।
- यह सौर मंडल के ग्रहों, धूमकेतुओं और क्षुद्रग्रहों पर भी कड़ी नजर रखता है।

SOFIA (सोफिया) की महत्वपूर्ण खोजें:

- 2020 में, NASA ने घोषणा की कि SOFIA ने चंद्रमा के सूर्य की ओर स्थित पानी के अणुओं (H2O) की खोज की।
- 2019 में, SOFIA ने हीलियम हाइड्राइड की भी खोज की - लगभग 14 बिलियन साल पहले ब्रह्मांड में बनने वाला पहला अणु।
- SOFIA ने जुपिटर में वायुमंडलीय परिसंचरण पैटर्न की भी पहचान की।

नोट: भारत के चंद्रयान -1 मिशन और NASA के ग्राउंड-आधारित इन्फ्रारेड टेलीस्कोप सुविधा को धूप वाले क्षेत्रों में जलयोजन के प्रमाण मिले, वे पुष्टि नहीं कर सके कि हाइड्रोजन H2O या OH के रूप में था या नहीं।

स्रोत: DTE

स्टेट ऑफ द वर्ल्ड्स फॉरेस्ट 2022 रिपोर्ट: 30 वर्षों में पृथ्वी पर कुल वन क्षेत्र का 10% नष्ट हो गया

चर्चा में क्यों?

- **द स्टेट ऑफ द वर्ल्ड्स फॉरेस्ट (SOFO) रिपोर्ट के 2022 संस्करण** के अनुसार, विश्व ने पिछले 30 वर्षों में अपने कुल वन क्षेत्र का लगभग 10.34 प्रतिशत, 420 मिलियन हेक्टेयर (mha) नष्ट कर दिया है।

प्रमुख बिंदु

- वनों की कटाई के कारण 1990 और 2020 के बीच 420 मिलियन हेक्टेयर वन नष्ट हो गए हैं, हालांकि वन पृथ्वी के भौगोलिक क्षेत्र के 4.06 बिलियन हेक्टेयर (31 प्रतिशत) को कवर करते हैं।
- इसमें कहा गया है कि हालांकि वनों की कटाई की दर में गिरावट आ रही थी, लेकिन 2015 और 2020 के बीच हर साल 10 मिलियन हेक्टेयर वन नष्ट हो गए।
- 2000 और 2020 के बीच लगभग 47 mha प्राथमिक वन नष्ट हो गए। 700 mha से अधिक वन (कुल वन क्षेत्र का 18 प्रतिशत) कानूनी रूप से स्थापित संरक्षित क्षेत्रों में है। फिर भी, वनों की कटाई और वन क्षरण से वन जैव विविधता खतरे में है।
- जनसंख्या के आकार और संपन्नता में वृद्धि के कारण संयुक्त रूप से सभी प्राकृतिक संसाधनों की वार्षिक वैश्विक खपत 2017 में 92 बिलियन टन से बढ़कर 2060 में 190 बिलियन टन होने की उम्मीद है।

नोट: 140 से अधिक देशों ने **ग्लासगो लीडर्स डिक्लेरेशन ऑन फॉरेस्ट एंड लैंड यूज** के माध्यम से 2030 तक वन हानि को समाप्त करने और बहाली और टिकाऊ वानिकी का समर्थन करने का संकल्प लिया है। इसके लिए, विकासशील देशों को इन उद्देश्यों को प्राप्त करने में मदद करने के लिए अतिरिक्त $19 बिलियन का आवंटन किया गया है।

स्रोत: DTE

संयुक्त राज्य अमेरिका के व्यापार प्रतिनिधि ने भारत को 'प्राथमिकता निगरानी सूची' में स्थान दिया

चर्चा में क्यों?

- **संयुक्त राज्य अमेरिका के व्यापार प्रतिनिधि (USTR)** ने पर्याप्त **बौद्धिक संपदा अधिकारों (IPR)** के संरक्षण और प्रवर्तन की कमी के कारण भारत को चीन, रूस और चार अन्य के साथ **'प्राथमिकता निगरानी सूची'** में रखा।
- सूची में शामिल अन्य देश अर्जेंटीना, चिली, इंडोनेशिया और वेनेजुएला हैं।
- इस साल की सूची में सभी सात देश पिछले साल भी थे।

प्रमुख बिंदु

- USTR ने कहा कि भारत IP प्रवर्तन और सुरक्षा के लिए सबसे चुनौतीपूर्ण अर्थव्यवस्थाओं में से एक है और देश का समग्र IP प्रवर्तन अपर्याप्त था।
- अमेरिकी व्यापारिक साझेदारों के बौद्धिक संपदा अधिकारों के संरक्षण और प्रवर्तन की पर्याप्तता और प्रभावशीलता पर अपनी "विशेष 301 रिपोर्ट" में, ये देश आने वाले वर्ष के दौरान विशेष रूप से गहन द्विपक्षीय जुड़ाव का विषय होंगे।
- 'स्पेशल 301' रिपोर्ट IP संरक्षण और प्रवर्तन की वैश्विक स्थिति की वार्षिक समीक्षा है।
- USTR ने इस वर्ष की विशेष 301 रिपोर्ट के लिए सौ से अधिक व्यापारिक भागीदारों की समीक्षा की।

स्रोत: ET

National

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की फ्रांस यात्रा

चर्चा में क्यों?

- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 4 मई, 2022 को कोपेनहेगन में दूसरे भारत-नॉर्डिक शिखर सम्मेलन में भाग लेने के बाद फ्रांस की आधिकारिक यात्रा की।

प्रमुख बिंदु

- पेरिस में, प्रधानमंत्री मोदी ने फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रोन से आमने-सामने और प्रतिनिधिमंडल स्तर के प्रारूपों में मुलाकात की।
- दोनों नेताओं ने रक्षा, अंतरिक्ष, नीली अर्थव्यवस्था, असैन्य परमाणु और लोगों से लोगों के बीच संबंधों में सहयोग सहित द्विपक्षीय मुद्दों की पूरी श्रृंखला पर चर्चा की।

नोट:

- अगस्त 2019, जून 2017, नवंबर 2015 और अप्रैल 2015 के बाद प्रधानमंत्री मोदी की यह पांचवीं फ्रांस यात्रा है।

- दोनों नेताओं ने अक्टूबर 2021 में G20 रोम शिखर सम्मेलन, जून 2019 में G20 ओसाका शिखर सम्मेलन और दिसंबर 2018 में G20 ब्यूनस आयर्स शिखर सम्मेलन से इतर मुलाकात की।
- भारत और फ्रांस, जो 1998 से रणनीतिक साझेदार हैं, के बीच रक्षा, असैन्य परमाणु, अर्थव्यवस्था, अंतरिक्ष और समुद्री सुरक्षा, स्वच्छ ऊर्जा और पर्यावरण, आतंकवाद का मुकाबला, लोगों से लोगों के बीच संबंधों में बहुआयामी साझेदारी है।
- भारत और फ्रांस नवंबर 2015 में संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन COP21 में प्रधानमंत्री मोदी द्वारा घोषित **अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन** के संस्थापक सदस्य हैं।

स्रोत: TOI

खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय की PMFME योजना के अंतर्गत तीन एक जिला एक उत्पाद ब्रांड और पांच उत्पाद जारी किए गए

चर्चा में क्यों?

- केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री पशुपति कुमार पारस ने **प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यम (PMFME) योजना** के औपचारिककरण के अंतर्गत तीन **एक जिला एक उत्पाद (ODOP)** ब्रांड जारी किए।

प्रमुख बिंदु

- खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय ने PMFME योजना के ब्रांडिंग और विपणन घटक के अंतर्गत चयनित 20 ODOP के 10 ब्रांड विकसित करने के लिए NAFED के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं।
- 7 ODOP ब्रांड और 9 उत्पाद, 3 ODOP ब्रांड और 5 उत्पाद, जिनके नाम हैं: मधुरमिठास, अनारस, पिंड से और दो उत्पाद मसाला पेस्ट और लेमन हनी नए विकसित ब्रांड कश्मीरी मंत्र और मधुमंत्र के अंतर्गत सफलतापूर्वक जारी किए गए।

प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यम (PMFME) योजना के बारे में:

- आत्मनिर्भर भारत अभियान के अंतर्गत शुरू किया गया, PMFME योजना, एक केंद्रीय रूप से प्रायोजित योजना है, जिसका उद्देश्य खाद्य प्रसंस्करण उद्योग के असंगठित खंड में मौजूदा व्यक्तिगत सूक्ष्म-उद्यम की प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देना और सेक्टर का औपचारिक रूप से प्रचार करना है, और किसान उत्पादक संगठनों, स्वयं सहायता समूहों, और उत्पादकों को उनके संपूर्ण मूल्य श्रृंखला के साथ सहकारी समितियों को सहायता प्रदान करते हैं।

- वर्ष 2020-21 से 2024-25 तक पांच साल की अवधि में 10,000 करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ, इस योजना की परिकल्पना मौजूदा सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यम के उन्नयन के लिए वित्तीय, तकनीकी और व्यावसायिक सहायता प्रदान करने के लिए 2,00,000 सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों को सीधे सहायता करने के लिए है।

स्रोत: PIB

प्लास्टइंडिया (PLASTINDIA) 2023

चर्चा में क्यों?

- केंद्रीय रसायन और उर्वरक मंत्री डॉ मनसुख मंडाविया ने **प्लास्टइंडिया (PLASTINDIA) 2023**-11वीं अंतर्राष्ट्रीय प्लास्टिक प्रदर्शनी और सम्मेलन का शुभारंभ किया।

प्रमुख बिंदु

- डॉ मंडाविया ने कहा कि "ये प्रदर्शनियां महत्वपूर्ण हैं क्योंकि वे अंतरराष्ट्रीय प्लास्टिक खिलाड़ियों को देश में आकर्षित करेंगी और विचारों और प्रौद्योगिकी को सीखने और आदान-प्रदान करने के लिए एक मंच प्रदान करेंगी"।
- भारत का पेट्रोकेमिकल उद्योग उच्च मांग वृद्धि के साथ भारतीय अर्थव्यवस्था में सबसे तेजी से बढ़ते उद्योगों में से एक रहा है।
- भारत को अगले दशकों में पेट्रोकेमिकल्स में वृद्धिशील वैश्विक विकास में 10% से अधिक योगदान देने का अनुमान है।
- भारतीय रासायनिक उद्योग एक वैश्विक खिलाड़ी बन गया है और "मेक इन इंडिया, मेक फॉर वर्ल्ड" दृष्टिकोण के साथ देश के लिए विदेशी मुद्रा अर्जित करता है।
- भारतीय रसायनों के निर्यात में वर्ष 2013-14 की तुलना में 2021-22 में 106 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है।
- पेट्रोकेमिकल्स उद्योग को उच्च कार्बन फुटप्रिंट और समुद्र प्रदूषण को कम करने के लिए एक रणनीति विकसित करनी चाहिए और 2070 तक शुद्ध-शून्य उत्सर्जन प्राप्त करने के लिए हरित प्रौद्योगिकियों को अपनाने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए।

प्लास्टइंडिया 2023 के बारे में:

- प्लास्टइंडिया प्लास्टइंडिया फाउंडेशन के तहत प्रदर्शनियों की एक श्रृंखला को संदर्भित करता है, जो ITPO प्रगति मैदान, नई दिल्ली में 1-5 फरवरी, 2023 से 11वीं अंतर्राष्ट्रीय प्लास्टिक प्रदर्शनी, सम्मेलन और कन्वेंशन आयोजित करेगा।

- यह भारत को मानव जीवन के सभी क्षेत्रों में उपयोग के लिए प्लास्टिक, कच्चे माल, मशीनरी और उत्पादों से संबंधित संसाधित वस्तुओं की सोर्सिंग के लिए वैश्विक केंद्र के रूप में प्रदर्शित करेगा।

स्रोत: PIB

प्रधानमंत्री मोदी ने डेनमार्क में दूसरे भारत-नॉर्डिक शिखर सम्मेलन में भाग लिया

चर्चा में क्यों?

- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 04 मई, 2022 को डेनमार्क के कोपेनहेगन में **दूसरे भारत-नॉर्डिक शिखर सम्मेलन** में भाग लिया।
- शिखर सम्मेलन की मेजबानी डेनमार्क ने की थी।
- जर्मनी की अपनी यात्रा के समापन के बाद प्रधानमंत्री मोदी डेनमार्क पहुंचे जहां उन्होंने जर्मन चांसलर ओलाफ स्कोल्ज़ के साथ व्यापक बातचीत की और छठे भारत-जर्मनी अंतर-सरकारी परामर्श में भाग लिया था।

प्रमुख बिंदु

- दूसरे भारत-नॉर्डिक शिखर सम्मेलन में डेनमार्क, फिनलैंड, आइसलैंड, स्वीडन और नॉर्वे के प्रधानमंत्रियों ने भी भाग लिया।
- शिखर सम्मेलन में महामारी के बाद आर्थिक सुधार, जलवायु परिवर्तन, नवाचार और प्रौद्योगिकी, नवीकरणीय ऊर्जा, विकसित वैश्विक सुरक्षा परिदृश्य और आर्कटिक क्षेत्र में भारत-नॉर्डिक सहयोग जैसे विषयों पर ध्यान केंद्रित किया गया।
- नॉर्डिक देश भारत के लिए स्थिरता, नवीकरणीय ऊर्जा, डिजिटलीकरण और नवाचार में महत्वपूर्ण भागीदार हैं।
- पहला भारत-नॉर्डिक शिखर सम्मेलन 2018 में स्टॉकहोम में आयोजित किया गया था।

नोट: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने डेनमार्क के कोपेनहेगन में डेनमार्क के प्रधानमंत्री मेटे फ्रेडरिकसेन के साथ प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता भी की। दोनों नेताओं ने हरित सामरिक साझेदारी की प्रगति की समीक्षा की जो भारत और डेनमार्क के बीच अपनी तरह की पहली व्यवस्था थी।

स्रोत: TOI

भारत ने 2020 के दौरान मृत्यु दर में 6.2 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की: CRS डेटा

चर्चा में क्यों?

- केंद्र सरकार ने जन्म और मृत्यु रिपोर्ट के आधार पर **नागरिक पंजीकरण प्रणाली (CRS) रिपोर्ट 2020** जारी की है।

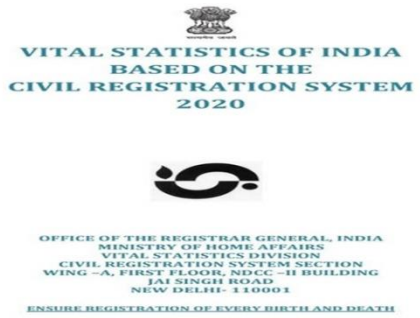
VITAL STATISTICS OF INDIA
BASED ON THE
CIVIL REGISTRATION SYSTEM
2020

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA
MINISTRY OF HOME AFFAIRS
VITAL STATISTICS DIVISION
CIVIL REGISTRATION SYSTEM SECTION
WING –A, FIRST FLOOR, NDCC –II BUILDING
JAI SINGH ROAD
NEW DELHI- 110001

ENSURE REGISTRATION OF EVERY BIRTH AND DEATH

प्रमुख बिंदु

रिपोर्ट के निष्कर्ष:

- सिविल रजिस्ट्रेशन सिस्टम पर आधारित 'भारत के महत्वपूर्ण सांख्यिकी' वर्ष 2020 की रिपोर्ट में कहा गया है कि पंजीकृत मौतों के मामले में, संख्या वर्ष 2019 में 76.4 लाख से बढ़कर 2020 में 81.2 लाख हो गई है, जो 6.2 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाती है।
- कुल पंजीकृत मौतों में से पुरुषों की हिस्सेदारी 60.2 प्रतिशत और महिलाओं की हिस्सेदारी 39.8 प्रतिशत है।
- कुछ राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों जैसे महाराष्ट्र, बिहार, गुजरात, पश्चिम बंगाल, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, राजस्थान, असम और हरियाणा का 2019 से 2020 तक दर्ज मौतों की बढ़ी हुई संख्या में अधिक हिस्सा रहा।
- पंजीकृत जन्मों की संख्या 2019 में 2.48 करोड़ से घटकर वर्ष 2020 में 2.42 करोड़ हो गई है जो लगभग 2.40 प्रतिशत की कमी दर्शाती है।
- रिपोर्ट में शामिल जन्म और मृत्यु की संख्या वास्तविक संख्या है जो देश भर में लगभग 3 लाख पंजीकरण इकाइयों से एकत्र की जाती है।
- **नागरिक पंजीकरण प्रणाली (CRS)** जन्म, मृत्यु और मृत जन्म की एक सार्वभौमिक, निरंतर, अनिवार्य और स्थायी रिकॉर्डिंग है।
- जन्म और मृत्यु का पंजीकरण **जन्म और मृत्यु पंजीकरण अधिनियम (RBD), 1969** के तहत किया जाता है। इन आंकड़ों में COVID-19 और अन्य कारणों से होने वाली मौतें शामिल हैं।

स्रोत: न्यूज़ऑनएयर

धर्मेंद्र प्रधान ने राष्ट्रीय पाठ्यक्रम रूपरेखा के विकास के लिए कार्यादेश दस्तावेज जारी किया

चर्चा में क्यों?

- केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने 'कार्यादेश दस्तावेज: **राष्ट्रीय पाठ्यक्रम रूपरेखा (NCF)** के विकास के लिए दिशा-निर्देश' जारी किए।

प्रमुख बिंदु

- परिवर्तनकारी राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 के कार्यान्वयन के केंद्र में नयी राष्ट्रीय पाठ्यक्रम रूपरेखा (NCF) है, जो स्कूलों और कक्षाओं में NEP 2020 के विज़न को वास्तविकता में बदलते हुए देश में उत्कृष्ट शिक्षण और ज्ञान-प्राप्ति को सशक्त और सक्षम बनायेगी।
- NCF के विकास को NSC (राष्ट्रीय संचालन समिति) द्वारा निर्देशित किया जा रहा है, जिसके अध्यक्ष डॉ के कस्तूरीरंगन हैं तथा जिसे कार्यादेश समूह एवं NCERT (राष्ट्रीय शिक्षा अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद) सहयोग दे रहे हैं।
- **NCF में शामिल हैं:**

  स्कूल शिक्षा के लिए राष्ट्रीय पाठ्यक्रम रूपरेखा (NCFSE)

  प्रारंभिक बचपन की देखभाल और शिक्षा के लिए राष्ट्रीय पाठ्यक्रम रूपरेखा (NCFECCE)

  शिक्षक शिक्षा के लिए राष्ट्रीय पाठ्यक्रम रूपरेखा (NCFTE)

  प्रौढ़ शिक्षा के लिए राष्ट्रीय पाठ्यक्रम रूपरेखा (NCFAE)

- 'जनादेश दस्तावेज' एनसीएफ के विकास का मार्गदर्शन करता है। जनादेश दस्तावेज़ एनईपी 2020 और एनसीएफ के बीच का सेतु है।
- **'कार्यादेश दस्तावेज'** के आधार पर ही NCF तैयार की गई है। 'कार्यादेश दस्तावेज' ही दरअसल NEP 2020 और NCF को एक-दूसरे से जोड़ता है।
- NCF शिक्षा मंत्रालय के निपुण भारत, बुनियादी साक्षरता एवं संख्यात्मक ज्ञान के लिए राष्ट्रीय मिशन जैसी अन्य पहल के लिए भी पूरी तरह से जिम्मेदार होगा। इन पहलों को आवश्यक तत्परता के साथ लागू किया जा रहा है, जबकि NCF को विकसित करने की प्रक्रिया चल रही है।

स्रोत: इंडिया टुडे

किसान ड्रोन

चर्चा में क्यों?

- केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा कि सरकार किसानों की सुविधा, लागत कम करने और आय बढ़ाने के लिए **'किसान ड्रोन'** के इस्तेमाल को बढ़ावा दे रही है।
- श्री तोमर ने आजादी का अमृत महोत्सव के तहत आयोजित "किसान ड्रोन को बढ़ावा देना: मुद्दे, चुनौतियां और आगे का रास्ता" विषय पर सम्मेलन को संबोधित करते हुए यह बात कही।

प्रमुख बिंदु

- ड्रोन खरीदने के लिए सरकार 50% या अधिकतम 5 लाख रुपये की सब्सिडी SC-ST, लघु और सीमांत, पूर्वोत्तर राज्यों की महिलाओं और किसानों को प्रदान कर रही है। अन्य किसानों के लिए 40 प्रतिशत या अधिकतम 4 लाख रुपये तक की आर्थिक सहायता दी जाएगी।
- फसल मूल्यांकन, भूमि अभिलेखों के डिजिटलीकरण, कीटनाशकों व पोषक तत्वों के छिड़काव के लिए 'किसान ड्रोन' के उपयोग को सरकार बढ़ावा दे रही है, जिसका बजट में भी प्रावधान किया गया है।
- कृषि में ड्रोन के उपयोग को बढ़ावा देने और इस क्षेत्र के किसानों और अन्य हितधारकों के लिए ड्रोन तकनीक को सस्ती बनाने के लिए, खेतों पर इसके प्रदर्शन के लिए कृषि यंत्रीकरण पर उपमिशन के तहत आकस्मिक व्यय के साथ-साथ, फार्म मशीनरी प्रशिक्षण व परीक्षण संस्थानों, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के संस्थानों, KVK (कृषि विज्ञान केंद्रों) व राज्य कृषि विश्वविद्यालयों को ड्रोन की खरीद हेतु लागत के 100% की दर से सहायता प्रदान की जाएगी।
- किसान उत्पादक संगठनों (FPO) को किसानों के खेतों पर ड्रोन के प्रदर्शन के लिए ड्रोन की खरीद के लिए 75% की दर से अनुदान प्रदान किया जाता है।

स्रोत: न्यूज़ऑनएयर

नेशनल ओपन एक्सेस रजिस्ट्री (NOAR)

चर्चा में क्यों?

- हाल ही में, **नेशनल ओपन एक्सेस रजिस्ट्री (NOAR)** ने सफलतापूर्वक काम करना शुरू कर दिया है।

सत्यमेव जयते
विद्युत मंत्रालय
MINISTRY OF POWER

प्रमुख बिंदु

नेशनल ओपन एक्सेस रजिस्ट्री (NOAR) के बारे में:

- NOAR को एक एकीकृत सिंगल विंडो इलेक्ट्रॉनिक प्लेटफॉर्म के रूप में डिजाइन किया गया है, जो अल्पकालिक खुली पहुंच वाली एप्लीकेशन की इलेक्ट्रॉनिक प्रोसेसिंग के लिए ओपन एक्सेस प्रतिभागियों, व्यापारियों, पावर एक्सचेंजों, राष्ट्रीय / क्षेत्रीय / राज्य लोड डिस्पैच केन्द्रों सहित सभी हितधारकों के लिए उपलब्ध है। इसके कारण अंतर-राज्यीय ट्रांसमिशन प्रणाली में अल्पकालिक खुली पहुंच की व्यवस्था को स्वचालित किया जा सकता है।
- पावर सिस्टम ऑपरेशन कॉरपोरेशन लिमिटेड (POSOCO) द्वारा संचालित नेशनल लोड डिस्पैच सेंटर (NLDC) को NOAR के कार्यान्वयन और संचालन के लिए नोडल एजेंसी के रूप में नामित किया गया है।
- NOAR बिजली बाजारों की तेजी से सुविधा और ग्रिड में अक्षय ऊर्जा (RE) के एकीकरण को सक्षम करने में महत्वपूर्ण होगा।
- NOAR विद्युत मंत्रालय, भारत सरकार की पहल का हिस्सा है और CERC ने आवश्यक नियामक ढांचे को अंतर-राज्यीय ट्रांसमिशन में खुली पहुंच के 5वें संशोधन नियम के संचालन के माध्यम से अधिसूचित किया है।

स्रोत: PIB

छठा भारत-जर्मनी अंतर-सरकारी परामर्श

चर्चा में क्यों?

- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जर्मनी के चांसलर ओलाफ शोल्ज़ के साथ **भारत-जर्मनी अंतर-सरकारी परामर्श (IGC)** के पूर्ण सत्र की सह-अध्यक्षता की।

प्रमुख बिंदु

- द्विवार्षिक IGC एक अनूठा संवाद प्रारूप है जिसमें दोनों पक्षों के कई मंत्रियों की भागीदारी भी देखी जाती है।
- यह चांसलर शोल्ज़ के साथ प्रधानमंत्री का पहला IGC था।
- यह साझेदारी सतत विकास लक्ष्यों और जलवायु कार्रवाई पर भारत-जर्मनी सहयोग के लिए एक संपूर्ण सरकारी दृष्टिकोण की परिकल्पना करती है। इसके तहत जर्मनी 2030 तक 10 अरब यूरो की नई और अतिरिक्त विकास सहायता की अग्रिम प्रतिबद्धता के लिए सहमत हो गया है।

छठे भारत-जर्मनी अंतर-सरकारी परामर्श के अवसर पर हस्ताक्षरित समझौतों की सूची:

- हरित और सतत विकास साझेदारी पर **संयुक्त घोषणा पत्र (JDI)**
- तीसरे देशों में त्रिकोणीय विकास सहयोग परियोजनाओं के कार्यान्वयन पर JDI
- विदेश मंत्रालय और जर्मन विदेश कार्यालय के बीच वर्गीकृत सूचनाओं के आदान-प्रदान और पारस्परिक संरक्षण पर समझौते की स्थापना तथा एक सीधा कूटभाषा आधारित संपर्क स्थापित करने के लिए समझौते की स्थापना पर JDI
- नवीकरणीय ऊर्जा भागीदारी के सम्बन्ध में भारत-जर्मन विकास सहयोग
- व्यापक प्रवास और आवागमन साझेदारी पर समझौते की शुरुआत पर संयुक्त घोषणा
- भारत के कॉर्पोरेट अधिकारियों और कनिष्ठ अधिकारियों के उच्च श्रेणी प्रशिक्षण के क्षेत्र में सहयोग जारी रखने पर JDI
- भारत-जर्मन ग्रीन हाइड्रोजन कार्यबल
- कृषि पारिस्थितिकी पर JDI
- वन परिदृश्य के लिए पूर्वावस्था की प्रप्ति पर JDI

स्रोत: PIB

AQEES के अंग के रूप में तिमाही रोजगार सर्वेक्षण (QES) के तीसरे दौर (अक्टूबर-दिसंबर, 2021) पर रिपोर्ट जारी

चर्चा में क्यों?

- **श्रम एवं रोजगार मंत्रालय (MOLE)** ने अक्टूबर-दिसंबर, 2021 की अवधि से सम्बंधित **देशव्यापी तिमाही प्रतिष्ठान आधारित रोजगार सर्वेक्षण (AQEES)** के अंग के रूप में **तिमाही रोजगार सर्वेक्षण (QES)** की तीसरी तिमाही की रिपोर्ट जारी कर दी है। रिपोर्ट को **श्रम ब्यूरो** ने तैयार किया है, जो श्रम एवं रोजगार मंत्रालय का सम्बद्ध विभाग है।

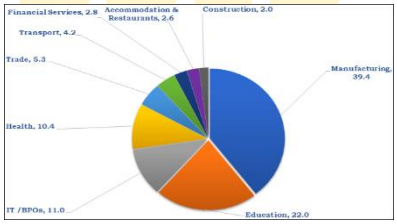

प्रमुख बिंदु

- श्रम ब्यूरो द्वारा AQEES को 9 चयनित क्षेत्रों के संगठित और असंगठित दोनों क्षेत्रों में रोजगार और प्रतिष्ठानों के संबंधित चर के बारे में लगातार (तिमाही) अपडेट प्रदान करने के लिए लिया गया है।
- ये क्षेत्र विनिर्माण, निर्माण, व्यापार, परिवहन, शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास और रेस्तरां, IT/BPO और वित्तीय सेवाएं हैं।
- छठी आर्थिक जनगणना में इन 9 क्षेत्रों में 10 या अधिक श्रमिकों वाली इकाइयों में कुल रोजगार का लगभग 85% हिस्सा था।

रिपोर्ट के प्रमुख निष्कर्ष:

- रिपोर्ट के अनुसार 10 या उससे अधिक कामगारों वाले संगठित क्षेत्र के चुनिंदा नौ सेक्टरों में रोजगार के बढ़ने का रुझान है।
- 'विनिर्माण' रोजगार देने वाला सबसे बड़ा सेक्टर है, जहां कुल कामगारों में से लगभग 39 प्रतिशत कामगार काम करते हैं; इसके बाद शिक्षा सेक्टर आता है, जहां कुल कामगारों में से 22 प्रतिशत कामगार कार्यरत हैं।
- लगभग सभी (99.4 प्रतिशत) प्रतिष्ठान विभिन्न नियमों के तहत पंजीकृत हैं।
- कुल मिलाकर लगभग 23.55 प्रतिशत इकाइयां अपने कामगारों को उनके काम के बारे में प्रशिक्षित करती हैं।
- 9 सेक्टरों में, स्वास्थ्य सेक्टर की 34.87 प्रतिशत इकाइयां रोजगार प्रशिक्षण देती हैं। उसके बाद IT/BPO हैं, जिनकी 31.1 प्रतिशत इकाइयां प्रशिक्षण देती हैं।
- 9 सेक्टरों में लगभग 1.85 लाख रिक्त स्थानों की जानकारी उपलब्ध है।
- 85.3% श्रमिक नियमित कर्मचारी और 8.9% संविदा कर्मचारी थे।

स्रोत: PIB

भारत-UAE व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौता (CEPA)

चर्चा में क्यों?

- **भारत- संयुक्त अरब अमीरात (UAE) व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौता (CEPA),** दो प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं के बीच सबसे बड़ा द्विपक्षीय व्यापार समझौता, सक्रिय हो गया।
- दोनों पक्षों के बीच 18 फरवरी, 2022 को समझौते पर हस्ताक्षर किए गए थे।

प्रमुख बिंदु

- वाणिज्य विभाग के सचिव बी वी आर सुब्रह्मण्यम ने भारत- UAE CEPA के तहत भारत से संयुक्त अरब अमीरात के लिए आभूषण उत्पादों की पहली खेप को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।
- कुल मिलाकर भारत को अपनी 97 प्रतिशत से अधिक टैरिफ लाइनों पर संयुक्त अरब अमीरात द्वारा प्रदान की जाने वाली तरजीही बाजार पहुंच से लाभ होगा, जो विशेष रूप से श्रम-व्यापक क्षेत्रों जैसे रत्न और आभूषण, वस्त्र, चमड़े, जूते-चप्पल, खेल के सामान, प्लास्टिक, फर्नीचर, कृषि और लकड़ी के उत्पाद, इंजीनियरिंग उत्पाद, फार्मास्यूटिकल्स, चिकित्सा उपकरण और ऑटोमोबाइल से मूल्य के संदर्भ में UAE को 99 प्रतिषत निर्यात करता है।

- सेवाओं में व्यापार के संबंध में, भारतीय सेवा प्रदाताओं की 11 व्यापक सेवा क्षेत्रों के लगभग 111 उप-क्षेत्रों तक पहुंच में वृद्धि होगी।
- व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौता से पांच वर्षों के भीतर माल में द्विपक्षीय व्यापार के कुल मूल्य को 100 अरब डॉलर और सेवाओं में व्यापार को 15 अरब डॉलर से अधिक तक बढ़ने की उम्मीद है।

नोट: वाणिज्य सचिव ने बताया कि भारत अन्य पूरक अर्थव्यवस्थाओं के साथ बहुत तेज गति से व्यापार समझौतों पर बातचीत कर रहा है और ब्रिटेन, कनाडा और यूरोपीय संघ के साथ बातचीत चल रही है।

स्रोत: द हिंदू

2013-14 के बाद से भारत का फार्मा निर्यात 103 प्रतिशत बढ़ा

चर्चा में क्यों?

- भारत के फार्मा निर्यात ने वित्त वर्ष 2013-14 की तुलना में 103 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज कराई है और यह वित्त वर्ष 2013-14 के 90,415 करोड़ रूपये से बढ़ कर वित्त वर्ष 2021-22 के दौरान 1,83,422 करोड़ रुपये तक पहंच गया है।

प्रमुख बिंदु

- वित्त वर्ष 2021-22 के दौरान अर्जित निर्यात फार्मा सेक्टर का अब तक का सर्वश्रेष्ठ निर्यात प्रदर्शन है।
- यह एक उल्लेखनीय बढोतरी है जब निर्यात में 8 वर्षों में लगभग 10 बिलियन डॉलर की वृद्धि हो चुकी है।
- 15175.81 मिलियन डॉलर के अधिशेष के साथ व्यापार संतुलन भारत के पक्ष में बना हुआ है।
- अपनी कीमत प्रतिस्पर्धात्मकता तथा अच्छी गुणवत्ता के कारण सक्षम भारतीय फार्मा कंपनियों ने वैश्विक पहचान बनाई है जिसमें विश्व के 60 प्रतिशत टीके तथा 20 प्रतिशत जेनेरिक दवाएं भारत से आती हैं।
- भारत मात्रा के हिसाब से दुनिया भर में तीसरे तथा मूल्य के लिहाज से विश्व में 14वें स्थान पर है।
- भारतीय फार्मास्यूटिकल उद्योग का वर्तमान बाजार आकार लगभग 50 बिलियन डॉलर है।
- वैश्विक निर्यातों में फार्मास्यूटिकल तथा औषधियों का हिस्सा 5.92 प्रतिशत है।
- भारत के शीर्ष 5 फार्मा निर्यात गंतव्य अमेरिका, ब्रिटेन, दक्षिण अफ्रीका, रूस तथा नाईजीरिया हैं।

स्रोत: ET

स्वच्छ भारत मिशन-शहरी 2.0 ने शहरों को पूरी तरह से कचरा-मुक्त बनाने के लिए राष्ट्रीय व्यवहार परिवर्तन संम्प्रेषण फ्रेमवर्क लॉन्च किया

चर्चा में क्यों?

- आवास एवं शहरी कार्य मंत्रालय के तत्वावधान में **स्वच्छ भारत मिशन-शहरी 2.0** ने **'शहरों को पूरी तरह से कचरा-मुक्त बनाने के लिए राष्ट्रीय व्यवहार परिवर्तन संम्प्रेषण फ्रेमवर्क'** लॉन्च किया।

प्रमुख बिंदु

- **'शहरों को पूरी तरह से कचरा-मुक्त बनाने के लिए राष्ट्रीय व्यवहार परिवर्तन संम्प्रेषण फ्रेमवर्क'** राज्यों और शहरों के लिए बेहतर और केंद्रित अंतर-व्यक्तिगत संचार अभियानों के साथ-साथ बड़े पैमाने पर मल्टीमीडिया अभियान चलाने के लिए एक मार्गदर्शक दस्तावेज के रूप में काम करेगा।
- यह फ्रेमवर्क भारत के शहरी परिदृश्य को सही मायने में बदलने के लिए कचरे को छांटने, संग्रह, परिवहन, और कचरे के प्रसंस्करण, प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन और कचरे के मैदान का हल निकालने के जैसे अहम मुद्दे पर केंद्रित है।

स्वच्छ भारत मिशन-शहरी 2.0 (SBM-U 2.0) के बारे में:

स्वच्छ भारत मिशन (SBM):

- SBM खुले में शौच को समाप्त करने और ठोस अपशिष्ट प्रबंधन में सुधार करने के लिए 2014 में भारत सरकार द्वारा शुरू किया गया एक देशव्यापी अभियान है।
- SBM का पहला चरण अक्टूबर 2019 तक चला। दूसरे चरण को 2020-21 और 2024-25 के बीच लागू किया जा रहा है।
- SBM को दो भागों में विभाजित किया गया था: ग्रामीण और शहरी।

स्वच्छ भारत मिशन-शहरी 2.0 के बारे में:

- 1 अक्टूबर 2021 को, प्रधानमंत्री ने "कचरा मुक्त शहर" बनाने के समग्र दृष्टिकोण के साथ स्वच्छ भारत मिशन - शहरी 2.0 का शुभारंभ किया।

स्रोत: PIB

प्रधानमंत्री ने सेमीकॉन इंडिया सम्मेलन 2022 का उद्घाटन किया

चर्चा में क्यों?

- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बेंगलुरु में **भारत के पहले सेमीकॉन इंडिया सम्मेलन 2022** का उद्घाटन किया।
- सेमीकॉन इंडिया सम्मेलन, 2022 29 अप्रैल से 1 मई तक आयोजित किया गया था।

प्रमुख बिंदु

- सम्मलेन का **विषय** "भारत में डिजाइन और निर्माण, विश्व के लिए: भारत के सेमीकंडक्टर पारिस्थितिकी तंत्र को उत्प्रेरित करना" था।

प्रधानमंत्री का संबोधन:

- प्रधानमंत्री ने भारत को सेमीकंडक्टर प्रौद्योगिकियों के लिए एक आकर्षक निवेश गंतव्य के रूप में रेखांकित करने के लिए छह कारणों का वर्णन किया।
- सबसे पहले, भारत 1.3 बिलियन से अधिक भारतीयों को जोड़ने के लिए एक डिजिटल अवसंरचना तैयार कर रहा है।
- दूसरा, 5G, IoT और स्वच्छ ऊर्जा प्रौद्योगिकियों की क्षमताओं में विकास के साथ छह लाख गांवों को ब्रॉडबैंड से जोड़ने जैसे कदमों के जरिये, भारत अगली प्रौद्योगिकी क्रांति का नेतृत्व करने का मार्ग प्रशस्त कर रहा है।
- तीसरा, भारत दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ते स्टार्टअप इकोसिस्टम के साथ मजबूत आर्थिक विकास की ओर आगे बढ़ रहा है। भारत की सेमीकंडक्टर की अपनी खपत 2026 तक 80 बिलियन डॉलर और 2030 तक 110 बिलियन डॉलर पार कर जाने की उम्मीद है।
- चौथा, भारत ने व्यवसाय में सुगमता को और आसान बनाने के लिए व्यापक सुधार किए हैं।
- पांचवां कारण है - 21वीं सदी की जरूरतों के लिए युवा भारतीयों के कौशल विकास और प्रशिक्षण में भारी निवेश।
- छठा, भारत ने विनिर्माण क्षेत्र को बदलने की दिशा में कई उपाय किए हैं।
- श्री मोदी ने हाल ही में घोषित **सेमीकॉन इंडिया कार्यक्रम** के बारे में भी बताया, जिसकी कुल परिव्यय धनराशि 10 बिलियन डॉलर से अधिक है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य सेमीकंडक्टर, डिस्प्ले विनिर्माण और डिजाइन इकोसिस्टम में निवेश करने वाली कंपनियों को वित्तीय सहायता प्रदान करना है।

नोट: हाल ही में, क्वालकॉम इंडिया और इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (MeitY) के सेंटर फॉर डेवलपमेंट ऑफ एडवांस कंप्यूटिंग (C-DAC) ने भारतीय सेमीकंडक्टर स्टार्टअप्स का समर्थन करने के लिए भागीदारी की।

स्रोत: HT

अटल न्यू इंडिया चैलेंज 2.0 (ANIC 2.0)

चर्चा में क्यों?

- अटल इनोवेशन मिशन ने **अटल न्यू इंडिया चैलेंज (ANIC 2.0)** के दूसरे संस्करण के चरण 1 का शुभारंभ किया।

प्रमुख बिंदु

अटल न्यू इंडिया चैलेंज के बारे में:

- अटल न्यू इंडिया चैलेंज अटल इनोवेशन मिशन, NITI आयोग का एक प्रमुख कार्यक्रम है।
- कार्यक्रम का उद्देश्य प्रौद्योगिकी आधारित नवाचारों की तलाश, चयन, समर्थन और पोषण करना है जो राष्ट्रीय महत्व और सामाजिक प्रासंगिकता की क्षेत्रीय चुनौतियों का समाधान करते हैं।
- ANIC कार्यक्रम के प्राथमिक लक्ष्यों में से एक भारत के विकास के लिए महत्वपूर्ण क्षेत्रों में नवाचारों का समर्थन करना है - शिक्षा, स्वास्थ्य, जल और स्वच्छता, कृषि, खाद्य प्रसंस्करण, आवास, ऊर्जा, गतिशीलता, अंतरिक्ष अनुप्रयोग आदि।
- NITI आयोग और सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय, ISRO और सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय के विभिन्न कार्यक्षेत्रों के सहयोग से काम करते हुए, **अटल न्यू इंडिया चैलेंज (ANIC 2.0)** के पहले चरण में 7 क्षेत्र से 18 चैलेंज सामने आएंगे।
- क्षेत्र ई-गतिशीलता, सड़क परिवहन, अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी और अनुप्रयोग, स्वच्छता प्रौद्योगिकी, चिकित्सा उपकरण, अपशिष्ट प्रबंधन और कृषि हैं।

स्रोत: PIB

MSME सतत (ZED) प्रमाणन योजना

चर्चा में क्यों?

- केंद्रीय **सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (MSME)** मंत्री नारायण राणे ने **MSME सतत (ZED) प्रमाणन योजना** का शुभारंभ किया।

प्रमुख बिंदु

MSME सतत (ZED) प्रमाणन योजना के बारे में:

- यह योजना MSME को **जीरो डिफेक्ट जीरो इफेक्ट (ZED)** अभ्यासों को अपनाने और उन्हें MSME चैंपियन बनने के लिए प्रोत्साहित करते हुए ZED प्रमाणन के लिए प्रेरित और प्रोत्साहित करने के लिए एक व्यापक अभियान है।
- ZED प्रमाणन हासिल करके MSME काफी हद तक अपव्यय को कम कर सकते हैं, उत्पादकता बढ़ा सकते हैं, पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ा सकते हैं, ऊर्जा बचा सकते हैं, प्राकृतिक संसाधनों का इष्टतम उपयोग कर सकते हैं और अपने बाजारों का विस्तार, आदि कर सकते हैं।
- योजना के तहत, MSME को ZED प्रमाणीकरण की लागत पर निम्नलिखित संरचना के अनुसार सब्सिडी मिलेगी: सूक्ष्म उद्यम: 80%, लघु उद्यम: 60% और मध्यम उद्यम: 50%
- MSME के लिए 5% की अतिरिक्त छूट मिलेगी जो मंत्रालय के **SFURTI (स्फूर्ति)** या सूक्ष्म और लघु उद्यम - क्लस्टर विकास कार्यक्रम (MSE - CDP) का भी हिस्सा हैं।
- जीरो डिफेक्ट जीरो इफेक्ट समाधान की ओर बढ़ने में मदद करने के लिए ZED प्रमाणन के तहत MSME के लिए हैंडहोल्डिंग और कंसल्टेंसी मदद के लिए 5 लाख रुपये (प्रति MSME) उपलब्ध कराए जाएंगे।
- MSME राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों, वित्तीय संस्थानों आदि द्वारा ZED प्रमाणन के लिए दिए जाने वाले कई अन्य प्रोत्साहनों का भी लाभ उठा सकते हैं और **MSME कवच (COVID-19 मदद) पहल** के तहत मुफ्त ZED प्रमाणन के लिए भी आवेदन कर सकते हैं।

स्रोत: ET

State

जम्मू-कश्मीर परिसीमन आयोग ने अंतिम अधिसूचना जारी की

चर्चा में क्यों?

- न्यायमूर्ति रंजना प्रकाश देसाई (सर्वोच्च न्यायालय की सेवानिवृत्त न्यायाधीश) की अध्यक्षता में परिसीमन आयोग, जिसके पदेन सदस्य सुशील चंद्रा (मुख्य चुनाव आयुक्त) और के के शर्मा (राज्य चुनाव आयुक्त, केंद्र शासित प्रदेश जम्मू और कश्मीर) हैं, की केंद्र शासित प्रदेश जम्मू और कश्मीर के लिए परिसीमन आदेश को अंतिम रूप देने के लिए बैठक हुई।
- इसके लिए राजपत्र अधिसूचना भी प्रकाशित की गई है।

प्रमुख बिंदु

अंतिम परिसीमन आदेश के अनुसार, केंद्र सरकार द्वारा अधिसूचित की जाने वाली तिथि से निम्नलिखित लागू हो जायेंगे:-

- परिसीमन अधिनियम, 2002 की धारा 9(1)(a) तथा जम्मू और कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम, 2019 की धारा 60(2)(b) के प्रावधानों को ध्यान में रखते हुए क्षेत्र के 90 विधानसभा क्षेत्रों में से 43 जम्मू क्षेत्र का हिस्सा होंगे और 47 कश्मीर क्षेत्र के तहत होंगे।
- सहयोगी सदस्यों, राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों, नागरिकों, नागरिक समाज समूहों के परामर्श के बाद, 9 विधानसभा क्षेत्र ST के लिए आरक्षित किए गए हैं, जिनमें से 6 जम्मू क्षेत्र में और 3 विधानसभा क्षेत्र कश्मीर घाटी में हैं।
- क्षेत्र में पांच संसदीय क्षेत्र हैं।
- परिसीमन आयोग ने जम्मू और कश्मीर क्षेत्र को एक एकल केंद्र शासित प्रदेश के रूप में माना है।
- इसलिए, घाटी में अनंतनाग क्षेत्र और जम्मू क्षेत्र के राजौरी तथा पुंछ को मिलाकर एक संसदीय क्षेत्र बनाया गया है।
- इस पुनर्गठन के बाद, प्रत्येक संसदीय निर्वाचन क्षेत्र में समान संख्या में विधान सभा निर्वाचन क्षेत्र होंगे। प्रत्येक संसदीय निर्वाचन क्षेत्र में 18 विधान सभा क्षेत्र होंगे।
- यह स्मरण करने योग्य है कि परिसीमन आयोग का गठन भारत सरकार द्वारा परिसीमन अधिनियम, 2002 (2002 का 33) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केंद्र शासित प्रदेश जम्मू और कश्मीर में विधानसभा और संसदीय निर्वाचन क्षेत्रों के परिसीमन के उद्देश्य से किया गया था।
- परिसीमन आयोग को 2011 की जनगणना के आधार पर तथा जम्मू और कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम, 2019 (2019 का 34) के भाग-V एवं परिसीमन अधिनियम, 2002 (2002 का 33) के प्रावधानों के अनुरूप जम्मू और कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश में विधानसभा और संसदीय निर्वाचन क्षेत्रों के परिसीमन का काम सौंपा गया था।

नोट: पूर्ववर्ती जम्मू और कश्मीर राज्य से जम्मू और कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश को संसद द्वारा पारित जम्मू और कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम, 2019 (2019 का 34) के माध्यम से गठित किया गया था।

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

नीतीश कुमार ने बिहार में भारत के पहले ग्रीनफील्ड इथेनॉल संयंत्र का उद्घाटन किया

चर्चा में क्यों?

- बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पूर्णिया में **भारत के पहले ग्रीनफील्ड अनाज आधारित इथेनॉल संयंत्र** का उद्घाटन किया।

प्रमुख बिंदु

- ईस्टर्न इंडिया बायोफ्यूल्स प्राइवेट लिमिटेड द्वारा 105 करोड़ रुपये का प्लांट पहला विकसित किया गया है क्योंकि केंद्र ने बिहार के इथेनॉल उत्पादन और प्रचार नीति-2021 को आगे बढ़ाया है।
- यह परियोजना देश की ईंधन जरूरतों को पूरा करने के लिए गन्ना, मक्का और चावल का उपयोग करके इथेनॉल उत्पादन में बिहार के महत्वाकांक्षी प्रयास का एक हिस्सा है।
- इथेनॉल संयंत्र को नवीनतम तकनीक का उपयोग करके बनाया गया है और यह किसी भी कचरे का निर्वहन नहीं करेगा, जिससे यह एक शून्य-तरल निर्वहन संयंत्र बन जाएगा जो पूरी तरह से पर्यावरण के अनुकूल है।

स्रोत: ET

1. राजस्थान के बाड़मेर जिले में 'मियां का बड़ा' रेलवे स्टेशन का नाम बदलकर 'महेश नगर हॉल्ट' कर दिया गया

चर्चा में क्यों?

- राजस्थान के बाड़मेर जिले के 'मियां का बड़ा' रेलवे स्टेशन का नाम बदलकर अब 'महेश नगर हॉल्ट' कर दिया गया है।

प्रमुख बिंदु

- इससे पहले 2018 में गांव का नाम 'मियां का बड़ा' से बदलकर महेश नगर कर दिया गया था।

इससे पहले, निम्नलिखित रेलवे स्टेशनों के नाम बदले गए हैं:

- मंडुआडीह रेलवे स्टेशन अब बनारस रेलवे स्टेशन के रूप में जाना जाता है
- मुगलसराय जंक्शन अब पं दीन दयाल उपाध्याय रेलवे जंक्शन
- रॉबर्ट्सगंज रेलवे स्टेशन का नाम बदलकर सोनभद्र रेलवे स्टेशन कर दिया गया
- इलाहाबाद जंक्शन अब प्रयागराज जंक्शन है
- फैजाबाद जंक्शन को अब अयोध्या कैंट के नाम से जाना जाता है
- दंडुपुर रेलवे स्टेशन का नाम बदलकर माँ बरही देवी धाम रेलवे स्टेशन कर दिया गया है
- उत्तर प्रदेश सरकार ने झांसी रेलवे स्टेशन का नाम बदलकर रानी लक्ष्मीबाई के नाम पर 'वीरांगना लक्ष्मीबाई रेलवे स्टेशन' कर दिया है।

- भोपाल में हबीबगंज रेलवे स्टेशन का नाम 2021 में गोंड क्वीन रानी कमलापति के नाम पर रखा गया था।

स्रोत: HT

Economy

21,000 करोड़ रुपये का LIC IPO पब्लिक सब्सक्रिप्शन के लिए खुला

चर्चा में क्यों?

- **भारतीय जीवन बीमा निगम (LIC)** की **इनीशियल पब्लिक ऑफरिंग (IPO)** 04 मई, 2022 से पब्लिक सब्सक्रिप्शन (सार्वजनिक सदस्यता) के लिए खुल गया है।
- यह सब्सक्रिप्शन के लिए 9 मई तक खुला रहेगा।
- LIC का IPO देश की सबसे बड़ी सार्वजनिक पेशकश है।

प्रमुख बिंदु

- एक **इनीशियल पब्लिक ऑफरिंग (IPO)** एक निजी निगम के शेयरों को एक नए स्टॉक जारी करने में जनता को देने की प्रक्रिया को संदर्भित करता है।
- LIC ने अपने पहले पब्लिक ऑफर के लिए 902 से 949 रुपये प्रति इक्विटी शेयर का प्राइस बैंड तय किया है।
- इस IPO के साथ सरकार 22 करोड़ 13 लाख शेयर बेचकर बीमा कंपनी में अपनी 3.5 फीसदी हिस्सेदारी बेचने पर विचार कर रही है।
- सरकार का लक्ष्य IPO के जरिए करीब 21 हजार करोड़ रुपये जुटाने का है।

भारतीय जीवन बीमा निगम (LIC) के बारे में:

- यह एक भारतीय वैधानिक बीमा और निवेश निगम है।
- **अध्यक्ष:** एमआर कुमार
- **मुख्यालय:** मुंबई
- **संस्थापक:** भारत सरकार
- **स्थापना:** 1 सितंबर 1956

नोट: ब्रांड फाइनेंस द्वारा जारी बीमा 100 2021 रिपोर्ट के अनुसार LIC को तीसरे सबसे मजबूत और 10वें सबसे मूल्यवान वैश्विक बीमा ब्रांड के रूप में मान्यता प्राप्त है।

स्रोत: न्यूज़ऑनएयर

Defence

NATO के डिफेंडर यूरोप 2022 और स्विफ्ट रिस्पांस 2022 अभ्यास

चर्चा में क्यों?

- NATO के डिफेंडर यूरोप 2022 और स्विफ्ट रिस्पांस 2022 अभ्यास 1 मई, 2022 को 9 यूरोपीय देशों में शुरू हुए।

प्रमुख बिंदु

- पोलैंड में नियोजित संयुक्त अभ्यास में NATO और सहयोगी देशों के 7,000 से अधिक सैनिकों और उपकरणों की 3,000 इकाइयों ने भाग लिया।
- पोलिश राष्ट्रीय रक्षा मंत्रालय के अनुसार डिफेंडर यूरोप 2022 और स्विफ्ट रिस्पांस 2022 1 से 27 मई तक चलाए जा रहे हैं।
- डिफेंडर यूरोप और स्विफ्ट रिस्पांस अमेरिका और NATO सहयोगियों और भागीदारों के बीच तैयारियों और अंतःक्रियाशीलता को बढ़ाने के लिए अमेरिकी सशस्त्र बलों द्वारा आयोजित नियमित अंतरराष्ट्रीय अभ्यास हैं।

उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (NATO) के बारे में:

- यह 30 सदस्य देशों के बीच एक अंतर-सरकारी सैन्य गठबंधन है, जिसमें से 28 यूरोप में और अन्य 2 उत्तरी अमेरिका में हैं।
- **स्थापना:** 4 अप्रैल 1949
- **मुख्यालय:** ब्रुसेल्स, बेल्जियम

स्रोत: ET

Science & Technology

भारत पहले स्वदेशी हाइड्रोजन फ्यूल सेल वेसल का विकास और निर्माण करेगा

चर्चा में क्यों?

- बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्रालय ने कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड (CSL) में भारत के पहले स्वदेशी हाइड्रोजन ईंधन वाले इलेक्ट्रिक वेसल को विकसित करने और बनाने का निर्णय लिया।

प्रमुख बिंदु

- जहाजरानी मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने कहा कि हाइड्रोजन ईंधन से चलने वाले इलेक्ट्रिक वेसल बनाने की योजना ग्लोबल मैरीटाइम ग्रीन ट्रांजिशन के साथ तालमेल बिठा रही है।
- यह कदम हरित ऊर्जा, स्थायी लागत प्रभावी वैकल्पिक ईंधन के मोर्चे पर नवीन और नई प्रौद्योगिकी के मोर्चे पर भारत के परिवर्तनकारी प्रयासों का हिस्सा है।
- लो टेम्परेचर प्रोटॉन एक्सचेंज मेम्ब्रेन टेक्नोलॉजी (LT-PEM) पर आधारित हाइड्रोजन फ्यूल सेल वेसल, जिसे फ्यूल सेल इलेक्ट्रिक वेसल (FCEV) कहा जाता है, की लागत लगभग रु 17.50 करोड़ जिसमें से 75 प्रतिशत केंद्र द्वारा वित्त पोषित किया जाएगा।
- हाइड्रोजन फ्यूल सेल का उपयोग परिवहन, स्थिर, पोर्टेबल, सामग्री प्रबंधन और आपातकालीन बैकअप पावर अनुप्रयोगों सहित अनुप्रयोगों की एक विस्तृत श्रृंखला में किया जा सकता है।
- हाइड्रोजन ईंधन पर चलने वाले ईंधन सेल एक कुशल, पर्यावरण के अनुकूल, शून्य उत्सर्जन, डायरेक्ट करंट (DC) पावर स्रोत हैं जो पहले से ही भारी शुल्क वाली बस, ट्रक और ट्रेन अनुप्रयोगों पर लागू होते हैं, और अब समुद्री अनुप्रयोगों के लिए विकास के अधीन हैं।

स्रोत: ET

C-DOT और C-DAC ने दूरसंचार और ICT में स्वदेशी प्रौद्योगिकी को बढ़ावा देने के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए

चर्चा में क्यों?

- **सेंटर फॉर डेवलपमेंट ऑफ़ टेलीमेटिक्स (C-DOT)** और **सेंटर फॉर डेवलपमेंट ऑफ एडवांस कंप्यूटिंग (C-DAC)** ने दूरसंचार और ICT में स्वदेशी तकनीकी डिजाइन और विकास को बढ़ावा देने के लिए सेमीकॉन इंडिया 2022 कार्यक्रम में एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।

प्रमुख बिंदु

- C-DOT और C-DAC दोनों 4G/5G, ब्रॉडबैंड, IOT/M2M, पैकेट कोर, कंप्यूटिंग आदि के क्षेत्रों में गतिविधियों की पहचान और विकास में सहयोग करने और संयुक्त रूप से काम करने के लिए सहमत हुए हैं।

सेंटर फॉर डेवलपमेंट ऑफ़ टेलीमेटिक्स (C-DOT) के बारे में:

- C-DOT संचार मंत्रालय, भारत सरकार के तहत एक प्रमुख दूरसंचार अनुसंधान एवं विकास संगठन है, जो नैरोबैंड और ब्रॉडबैंड स्विचिंग और ट्रांसमिशन नेटवर्क, टेरेस्ट्रियल रेडियो सिस्टम, सैटेलाइट सिस्टम, ऑप्टिकल संचार उपकरण, नेटवर्क प्रोटोकॉल, आधुनिक सुरक्षा समाधान और नेटवर्क प्रबंध प्रणालियों में उन्नत अनुसंधान और विकास कार्यों को अंजाम देता है।

सेंटर फॉर डेवलपमेंट ऑफ एडवांस कंप्यूटिंग (C-DAC) के बारे में:

- C-DAC की स्थापना सामाजिक आर्थिक प्रगति के लिए इलेक्ट्रॉनिक और ICT प्रौद्योगिकियों और एप्लीकेशनों के डिजाइन, विकास और तैनाती के लिए एक प्रमुख अनुसंधान एवं विकास संस्थान के रूप में उभरने के लिए की गई थी।

स्रोत: ET

Environment

भूपेंद्र यादव ने मानव-हाथी संघर्ष के प्रबंधन के लिए वन कर्मचारियों के लिए फील्ड मैनुअल लॉन्च किया

चर्चा में क्यों?

- हाल ही में, केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव ने प्रमुख हाथी रेंज राज्यों में मानव-हाथी संघर्ष (HEC) से निपटने वाले वन कर्मचारियों का मार्गदर्शन करने के लिए भारत में एक फील्ड मैनुअल लॉन्च किया।
- उन्होंने उत्तराखंड के देहरादून में वन अनुसंधान संस्थान (FRI) में परियोजना हाथी की 16वीं संचालन समिति की बैठक की अध्यक्षता की।
- मैनुअल का नाम **"मानव-हाथी संघर्षों के प्रबंधन के लिए फील्ड मैनुअल"** है।

प्रमुख बिंदु

- मैनुअल के अलावा, यादव ने मानव हाथी संघर्ष पर प्रारंभिक रिपोर्ट और ट्रम्पेट नामक एक पुस्तिका भी जारी की।
- मैनुअल को मंत्रालय द्वारा भारतीय वन्यजीव संस्थान (WWI) और वर्ल्ड वाइड फंड फॉर नेचर (WWF इंडिया) के साथ मिलकर तैयार किया गया है।
- भारत लगभग 27,000 एशियाई हाथियों का घर है।
- हाथी जनगणना (2017) के अनुसार, कर्नाटक में हाथियों की संख्या सबसे अधिक (6,049) है।

एशियाई हाथियों के बारे में:

- एशियाई हाथी की तीन उप-प्रजातियां हैं जो भारतीय, सुमात्राण और श्रीलंकाई हैं।
- **वैश्विक जनसंख्या:** अनुमानित 20,000 से 40,000।

सुरक्षा स्थिति:

- IUCN रेड लिस्ट: लुप्तप्राय
- वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972: अनुसूची I
- CITES: परिशिष्ट I

स्रोत: DTE

Sports

जैन विश्वविद्यालय KIUG 2021 का समग्र विजेता बना

- मेजबान, **जैन विश्वविद्यालय**, **खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स (KIUG) 2021** का समग्र विजेता बना, जिसमें 7 रजत और 5 कांस्य के साथ 20 स्वर्ण पदक शामिल थे।
- लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी दूसरे स्थान पर रही। पंजाब यूनिवर्सिटी तीसरे स्थान पर रही।
- बेंगलुरु में आयोजित KIUG 2021 के दूसरे संस्करण में लगभग 190 विश्वविद्यालयों के लगभग 3,879 प्रतिभागियों ने 20 विषयों में 257 स्वर्ण पदकों के लिए प्रतिस्पर्धा की।

खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स (KIUG) के बारे में:

- यह भारत में आयोजित एक राष्ट्रीय स्तर का बहु-खेल आयोजन है, जहां देश भर के विश्वविद्यालयों के एथलीट विभिन्न खेल विषयों में प्रतिस्पर्धा करते हैं।
- यह भारतीय खेल प्राधिकरण (SAI) और युवा मामले और खेल मंत्रालय द्वारा भारतीय विश्वविद्यालयों के संघ, भारतीय ओलंपिक संघ और राष्ट्रीय खेल महासंघ के साथ आयोजित किया जाता है।

स्रोत: न्यूज़ऑनएयर

2. रोनी ओ'सुल्लीवन ने रिकॉर्ड 7वीं विश्व स्नूकर चैंपियनशिप 2022 का खिताब जीता

चर्चा में क्यों?

- इंग्लैंड के रोनी ओ'सुल्लीवन ने रिकॉर्ड 7वीं विश्व स्नूकर चैम्पियनशिप 2022 का खिताब जीता।

प्रमुख बिंदु

- रोनी ओ'सुल्लीवन स्टीफन हेंड्री के साथ आधुनिक समय का रिकॉर्ड बनाने में शामिल हो गए, उन्होंने 2001, '04, '08, '12, '13 और '20 से अपने विश्व खिताब को जोड़ा।
- **2022 विश्व स्नूकर चैम्पियनशिप** (आधिकारिक तौर पर 2022 बेटफ्रेड वर्ल्ड स्नूकर चैम्पियनशिप) एक पेशेवर स्नूकर टूर्नामेंट था जो इंग्लैंड के शेफ़ील्ड में क्रूसिबल थिएटर में हुआ था।

स्रोत: HT

केरल ने पश्चिम बंगाल को हराकर अपना 7वां संतोष ट्रॉफी 2022 का खिताब जीता

चर्चा में क्यों?

- केरल के मलप्पुरम के मंजेरी पय्यानाड स्टेडियम में केरल ने पेनल्टी शूटआउट में पश्चिम बंगाल को हराकर संतोष ट्रॉफी 2022 जीता।

प्रमुख बिंदु

- यह केरल का सातवां संतोष ट्रॉफी खिताब था।
- 2022 संतोष ट्रॉफी संतोष ट्रॉफी का 75वां संस्करण है, जो भारत में अपने क्षेत्रीय और राज्य फुटबॉल संघों का प्रतिनिधित्व करने वाली टीमों के लिए प्रमुख प्रतियोगिता है।

स्रोत: द हिंदू

हर्षदा शरद गरुड़ जूनियर वर्ल्ड वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप में गोल्ड जीतने वाली पहली भारतीय बनी

चर्चा में क्यों?

- हर्षदा शरद गरुड़ ग्रीस के हेराक्लिओन में **IWF जूनियर वर्ल्ड वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप 2022** में स्वर्ण पदक जीतने वाली पहली भारतीय बनी।

प्रमुख बिंदु

- हर्षदा शरद गरुड़ ने 45 किलोग्राम भार वर्ग में 153 किलोग्राम वजन उठाया।

- हर्षदा से पहले IWF जूनियर विश्व चैंपियनशिप में पदक जीतने वाले केवल दो भारतीय हैं।
- मीराबाई चानू ने 2013 में कांस्य पदक जीता था और अचिंता शुली ने 2021 में रजत पदक जीता था।

स्रोत: TOI

Awards & Honours

कान फिल्म बाजार में अब तक का पहला 'सम्मानित देश' बना भारत

चर्चा में क्यों?

- केंद्रीय सूचना और प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने घोषणा की कि फ्रांस में कान फिल्म महोत्सव के 75वें संस्करण के साथ आयोजित किए जाने वाले **आगामी मार्चे' डू फिल्म में भारत आधिकारिक रूप से 'सम्मानित देश' होगा**।

प्रमुख बिंदु

- मंत्री ने कहा, 'यह पहली बार है जब मार्चे ' डू फिल्म को आधिकारिक रूप से एक 'सम्मानित देश' मिला है, और यह विशेष फोकस हर साल अलग-अलग देश पर इसके भावी संस्करणों में रहेगा।'
- भारत भी **'कान नेक्स्ट' में सम्मानित देश** है, जिसके तहत 5 नए स्टार्ट अप्स को ऑडियो-विजुअल उद्योग के बारे में बताने का अवसर दिया जाएगा।
- कान फिल्म महोत्सव के इस संस्करण में भारत की सहभागिता का एक अन्य आकर्षण आर माधवन द्वारा बनाई गई फिल्म 'रॉकेट्री' का वर्ल्ड प्रीमियर है।

स्रोत: PIB

हिम तेंदुए विशेषज्ञ चारुदत्त मिश्रा को व्हिटली गोल्ड अवार्ड 2022 प्रदान किया गया

चर्चा में क्यों?

- प्रसिद्ध हिम तेंदुआ विशेषज्ञ और वन्यजीव संरक्षणवादी **चारुदत्त मिश्रा** ने एशिया के उच्च पर्वतीय पारिस्थितिक तंत्र में बड़ी बिल्ली प्रजातियों (तेंदुए) के संरक्षण और पुनर्प्राप्ति में स्वदेशी समुदायों को शामिल करने में उनके योगदान के लिए प्रतिष्ठित **व्हिटली गोल्ड अवार्ड 2022** जीता है।

प्रमुख बिंदु

- यह उनका दूसरा व्हिटली फंड फॉर नेचर अवार्ड है। 2005 में उन्हें पहला प्राप्त किया था।
- मिश्रा को यह पुरस्कार 12 हिम तेंदुओं की श्रेणी के देशों में उनके काम के लिए दिया गया था।
- मिश्रा, जो बेंगलुरु स्थित नेचर कंजर्वेशन फाउंडेशन के सह-संस्थापक भी हैं, ने एक दशक पहले हिम तेंदुओं को बचाने के लिए भारत की पहली सामुदायिक योजना की स्थापना की थी।
- रूस, अफगानिस्तान, चीन, पाकिस्तान, भारत और मंगोलिया सहित बारह देशों के ऊंचे पहाड़ों और पठारों में अनुमानित 6,500 जंगली हिम तेंदुए हैं।

व्हिटली अवार्ड्स के बारे में:

- यह पुरस्कार हर साल व्हिटली फंड फॉर नेचर (WFN) द्वारा वैश्विक दक्षिण में प्रभावी जमीनी स्तर के संरक्षण के नेताओं को पहचानने और मनाने के लिए आयोजित किए जाते हैं। इस पुरस्कार को अक्सर 'ग्रीन ऑस्कर' के रूप में जाना जाता है।

स्रोत: HT

अटल टनल को 'बेस्ट इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट' पुरस्कार मिला

चर्चा में क्यों?

- हिमाचल प्रदेश के रोहतांग में निर्मित सीमा सड़क संगठन (BRO) के इंजीनियरिंग मार्वल **अटल टनल** को **इंडियन बिल्डिंग कांग्रेस (IBC) 'बेस्ट इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट'** का पुरस्कार प्राप्त हुआ।

प्रमुख बिंदु

- इस पुरस्कार के लिए तीस से अधिक अत्याधुनिक बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को नामांकित किया गया था।

- इस रणनीतिक सुरंग को 2021 में बेस्ट प्रोजेक्ट्स फ़ॉर एक्सीलेंस इन ब्युल्ट एनवायरनमेंट के तौर पर IBC की जूरी द्वारा चुना गया था।
- न्यू ऑस्ट्रियन टनलिंग मेथड का उपयोग करके बनाई गई सुरंग को 03 अक्टूबर, 2020 को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा राष्ट्र को समर्पित किया गया था।

नोट: 9 फरवरी, 2022 को, 9.02 किमी लंबी, अटल सुरंग, जो मनाली-लेह राजमार्ग पर 'रोहतांग दर्रे' के नीचे है, को आधिकारिक तौर पर वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स द्वारा '10,000 फीट से अधिक दुनिया की सबसे लंबी राजमार्ग सुरंग' के रूप में प्रमाणित किया गया था।

स्रोत: इंडिया टुडे

Appointments/Resignations

3. पूर्व पेट्रोलियम सचिव तरुण कपूर प्रधानमंत्री के सलाहकार नियुक्त

चर्चा में क्यों?

- केंद्र सरकार ने पूर्व पेट्रोलियम सचिव **तरुण कपूर** को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का सलाहकार नियुक्त किया है।

प्रमुख बिंदु

- तरुण कपूर की नियुक्ति प्रारंभ में कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से दो वर्ष की अवधि के लिए होगी।
- कपूर, हिमाचल प्रदेश कैडर के 1987 बैच के IAS अधिकारी, 30 नवंबर, 2021 को पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के सचिव के रूप में सेवानिवृत्त हुए।

नोट: 1986 बैच की भारतीय राजस्व सेवा (IRS) अधिकारी **संगीता सिंह** को **केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (CBDT)** के अध्यक्ष का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है।

स्रोत: TOI

लेफ्टिनेंट जनरल मनोज पांडे ने नए सेनाध्यक्ष के रूप में पदभार संभाला

चर्चा में क्यों?

- जनरल मनोज पांडे ने नए सेनाध्यक्ष के रूप में पदभार संभाला।

प्रमुख बिंदु

- जनरल मनोज पांडे ने जनरल मनोज मुकुंद नरवने का स्थान लिया।
- जनरल पांडे 29वें सेना प्रमुख और कोर ऑफ इंजीनियर्स के पहले अधिकारी हैं जिन्हें यह अवसर मिला है।

नोट: लेफ्टिनेंट जनरल बग्गावल्ली सोमशेखर राजू ने भी थलसेना के उप प्रमुख के रूप में पदभार ग्रहण किया।

स्रोत: TOI

Books

देवेंद्र फडणवीस ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर मराठी पुस्तक का विमोचन किया

चर्चा में क्यों?

- महाराष्ट्र भाजपा नेता देवेंद्र फडणवीस ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर **'अमित शाह अनी भजापची वाचल'** नामक एक मराठी पुस्तक का विमोचन किया।

प्रमुख बिंदु

- पुस्तक में शाह के जीवन और यात्रा और भाजपा के निर्माण में उनके योगदान का दस्तावेजीकरण किया गया है।
- मूल रूप से डॉ अनिर्बान गांगुली और शिवानंद द्विवेदी द्वारा लिखित पुस्तक का मराठी में अनुवाद डॉ ज्योस्तना कोल्हाटकर ने किया है।

स्रोत: बिजनेस स्टैंडर्ड

Important Days

3 मई, विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस

चर्चा में क्यों?

- 3 मई को विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस या प्रेस स्वतंत्रता दिवस के रूप में मनाया जाता है।

प्रमुख बिंदु

- विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस 2022 का **विषय** "डिजिटल घेराबंदी के तहत पत्रकारिता" है।
- किसी भी लोकतंत्र में प्रेस की स्वतंत्रता के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए यह दिन मनाया जाता है।

इतिहास:

- UNESCO के आम सम्मेलन की सिफारिश के बाद दिसंबर 1993 में संयुक्त राष्ट्र महासभा (UNGA) द्वारा विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस घोषित किया गया था।
- तब से, 3 मई, विंडहोक की घोषणा की वर्षगांठ को विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस के रूप में दुनिया भर में मनाया जाता है।

स्रोत: un.org

01 मई, अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस

चर्चा में क्यों?

- अंतर्राष्ट्रीय श्रमिक दिवस या अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस अधिकांश देशों में 1 मई को मनाया जाता है।
- इसे मई दिवस के नाम से भी जाना जाता है।

प्रमुख बिंदु

- 19वीं शताब्दी में संयुक्त राज्य अमेरिका में श्रमिक संघ आंदोलन में मजदूर दिवस की उत्पत्ति हुई। 1889 में, मार्क्सवादी इंटरनेशनल सोशलिस्ट कांग्रेस ने एक महान अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शन के लिए एक प्रस्ताव अपनाया जिसमें उन्होंने मांग की कि श्रमिकों को दिन में 8 घंटे से अधिक काम नहीं करना चाहिए।

- मई दिवस पहली बार 1 मई, 1890 को मनाया गया था, 14 जुलाई, 1889 को यूरोप में सोशलिस्ट पार्टियों की पहली अंतर्राष्ट्रीय कांग्रेस द्वारा घोषित किए जाने के बाद।

स्रोत: HT